HIN1B08a – Séance N° 17
La proposition complément des verbes de perception ("participiale")
le "présentatif"

Séquence 1
- किरन बेटिया को पहली बार मैंने इसी platform पे देखा था। बहुत धूम-धाम से ब्याहकर लाए थे उसे। और उसी दिन मैंने किरन बेटिया को पहली और आख़िरी बार हँसते हुए देखा था। क्योंकि उसी रात उसके पति को घर छोड़कर जाना पड़ा था। Border पर बहुत तनाव हो गया था। और वह हिन्दुस्तान की हवाई फ़ौज में pilote था। नई-निवेली दुलहन को छोड़कर चला गया duty पर।

Séquence 2
- मरने की बात क्यों करते हो ? ख़ुदा करें हम अपनी आनेवाली नसल को आज़ाद हिन्दुस्तान में साँस लेते देखें।

Séquence 3
- आप को मुसकुराते हुए देखकर बहुत अच्छा लग रहा है, Mister शंकर ! आज की सुबह बहुत ख़ास हो गई।
- बिलकुल Mister Aryan। ये हवाएँ देख रहे हैं आप ? ये गुरुकुल की हवाएँ हैं, Mister आर्यन, जो सदियों से पूर्व से चलती आ रही हैं। कुछ दिन पहले इन हवाओं ने अपना रौख़ (=रुख़) बदलकर पश्चिम से बहना शुरू कर दिया था, लेकिन आज फिर से पहले की तरह ये पूर्च से बह रही हैं। आज यहाँ पहले जैसे सब कुछ पूरा हो चुका है Mister आर्यन। आज की सुबह बहुत अच्छी है।

Séquence 4
- तो आप भी सुन लीजिए भाई सा जब तक पिता जी आप को राजकुंवर घोषित नहीं करते हम विवाह नहीं करेंगे।
- लेकिन जोधा ...
- बस कह दिया हमने।
- जोधा, लड़कियों का ऐसी माँगें करना ठीक नहीं।
- परंतु यह सच है। हमने स्वयं पिताजी को आपकी प्रशंसा करते सुना है। कह रहे थे आप में शौर्य है। कितनी ही प्रतियोगिताएँ जीती हैं आपने। और अब आपकी रण शिक्षा भी पूरी हो गई है। अब कोई चिंता नहीं है। है ना ?

Séquence 5
- दादा जी यह रहा आपका पानी।
- शुक्रिया संत्रा।

Séquence 6
- जाने से पहले उसने किसी गाँव का ज़िक्र किया था। क्या नाम था ? हाँ, चरणपूर।
- हाँ चरणपूर।
- यह चरणपूर कहाँ है ?
- कभी सुना नहीं। पता करते हैं।
- कावेरी थी बहुत नेक। हम सभी उनकी कमी बहुत महसूस करते हैं। यह रहा पता।
- शुक्रिया।